तमिलनाडु की सरकार ने भाजपा को रैली निकालने की इजाज़त नहीं दी

भाजपा ने अपने स्थापना दिवस पर 51 स्थानों पर रैली निकालने की इजाज़त मांगी थी सरकार से

- **स्टालिन सरकार ने पी.एफ.आई. पर लगे प्रतिबंध के कारण प्रदेश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ने की बात कही और इन हालात में भाजपा को रैलियों की इजाज़त न देने को सही ठहराया।**
- **दूसरी ओर गत सप्ताह ही मद्रास हाई कोर्ट ने भाजपा के 2 अक्टूबर को रैलियां निकालने के प्रस्ताव को सशर्त स्वीकृति दी थी।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। भाजपा तथा संघ परिवार दक्षिण भारत के एक बड़े राज्य तमिलनाडु में जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। इस क्षेत्र से सर्वाधिक लोकसभा सांसद इसी राज्य से चुने जाते हैं। लेकिन ठीक पश्चिम बंगाल, जहाँ भाजपा का सामना ममता बनर्जी जैसी धुरंधर राजनेता से था, यहाँ तमिलनाडु में भाजपा का सामना डी.एम.के. (द्रमुक) प्रमुख तथा लगभग 4 दशकों से प्रादेशिक राजनीति में अहम रोल अदा कर रहे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन जैसे धुरंधर नेता से है।

इस समय पार्टी तथा सरकार पर तो स्टालिन का पूरा नियंत्रण है ही, राज्य के 38 में से 29 सांसद उनके पास है जिनमें कांग्रेस सांसद भी शामिल हैं।

जहाँ तक जमीनी स्थिति का प्रश्न है, पिछले विधानसभा चुनावों, जिनमें डी.एम.के. की इकतरफा जीत हुई थी, के बाद, राजनैतिक रूप से कुछ खास परिवर्तन नहीं हुआ है। ए.आई.ए.डी.एम.के. की अंदरूनी लड़ाई के कारण विपक्ष कमजोर ही हुआ है तथा इसके परिणामस्वरूप, भाजपा को विपक्ष में अपने लिये जगह बनाने का अवसर मिल गया है।

तमिलनाडु में इस समय भाजपा को विपक्ष के रूप में लिया जा रहा है तथा इसने जमीनी स्तर पर स्वयं को एक खास अंतर वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करना शुरु कर दिया है- उसने राजनैतिक हलचल तथा गर्मा-गर्मी के माहौल को स्वरूप देना शुरु कर दिया है। दरअसल, भाजपा तथा पूरा दक्षिणपंथी तंत्र एक विपक्षी दल के रूप में अपनी मौजूदगी को दर्ज कराने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते तथा ऐसे मुद्दे उठाते हैं, जो हिन्दुत्व एजेंडा की तरफ उनके झुकाव की ओर संकेत करते हैं, जैसे मंदिरों तथा धार्मिक जुलूसों पर अपना नियंत्रण रखने के लिये टकराव या फिर नवीनतम गतिविधि के रूप में, 2 अक्टूबर को 51 स्थानों पर "रूट रैली" (पथ-संचलन) आयोजित करने की आर.एस.एस. की योजना आर.एस.एस. ने अपने स्थापना दिवस महोत्सव पर पथ-संचलन की अनुमति माँगी है।

लेकिन कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुये, पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया पर लगाई गई रोक के कारण आर.ए.एस. को इन रैलियों के आयोजन की स्वीकृति देने से इनकार कर दिया है। सरकार ने कहा कि वह ऐसे समय पर किसी पथ-संचलन की अनुमति नहीं दे सकती जब पुलिस पी.एफ.आई. पर लगाई गई रोक के फलस्वरूप किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोकने के लिये रात-दिन एक कर रही हो। सरकार ने डी.एम.के. के सहयोगी दलों, जैसे वी.सी.के., सी.पी.आई. (एम.) तथा सी.पी.आई. द्वारा सौहार्द्र बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किये जाने वाले कोई भी आयोजन करने की अनुमति नहीं दी है।

एक सरकारी प्रैस-विज्ञप्ति में कहा गया है, "ऐसे समय पर, जब सरकार ऐहतियाती कदम उठाने के अलावा, पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये सभी प्रकार के प्रयास कर रही है, आर.एस.एस. तथा अन्य संगठनों को 2 अक्टूबर को रैली निकालने के लिये अनुमति देने से इनकार कर दिया गया है।" पी.एफ.आई. पर रोक लगाने के बाद, इस्लामी संगठनों ने इस कार्यवाही के खिलाफ प्रदर्शन करना शुरु कर रहे हैं। पुलिस ने आर.एस.एस. तथा वी.सी.के. को संबंधित आयोजनों के लिये अनुमति देने से इनकार करते हुये, कहा कि इसके अलावा, पिछले कुछ दिनों में, राज्य में, साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाली बहुत सी घटनाएं होती आ रही हैं।

प्रसंगवश बता दें कि पिछले सप्ताह मद्रास उच्च न्यायालय ने कुछ निश्चित शर्तों के साथ, आर.एस.एस. को दो अक्टूबर को जुलूस निकालने की अनुमति दे दी थी। लेकिन सरकार ने, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुये, अनुमति देने से इनकार कर दिया। वी.सी. के नेता तथा सांसद तोल तिरुमावालानन ने मीडिया कर्मियों को बताया कि "भाजपा, आर.एस.एस. तथा अन्य दक्षिणपंथी ताकतें, सत्ता हासिल करने के लिये, राज्य में हिंसा भड़काने के लिये जानी जाती हैं। ये जाति, पंथ तथा धर्म के नाम पर लोगों को बाँटते हैं ताकि कानून-व्यवस्था भंग करके, राजनैतिक लाभ प्राप्त किया जा सके। सत्ता में आने के लिये, उत्तर भारत के कई राज्यों में भाजपा ने यही किया है। वे तमिलनाडु में भी उसी सूत्र तथा तौर-तरीके को काम में ले रहे हैं।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौजूद थे।"

बाद में इन लोगों ने मेरे को धमकी दी कि, तेरी फोटो अश्लील बना दी है हम वायरल कर देंगे तू कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। इन लोगों ने मेरी वीडियो बनाई और सभी ने मेरा बलात्कार किया मैं कई घंटों तक बेसुध पड़ी रही। उसके बाद में अपने घर आई इन सभी द्वारा मुझे धमकी दी कि, अगर कोई भी बात बताई तो वीडियो वायरल हो जाएगा। मैं डर गई धीरे-धीरे यह लोग मुझसे पैसे ऐंठने लगे इसके बाद पीड़िता ने 3 जनवरी व 6 अप्रैल को भी बुलाकर बलात्कार करने की घटना दर्ज करवाई है।

'ऊंट के ऊपर अब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव में प्रत्याशी नहीं होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सोनिया गांधी यह निर्णय लेंगी कि राजस्थान का मुख्यमंत्री कौन होगा।

अशोक गहलोत अब भी जोधपुर हाउस में ठहरे हुए हैं। उन्होंने शांति धारीवाल और महेश जोशी से कहा था कि वे दिल्ली आ जाएं। ये दोनों दिल्ली के लिए रवाना हुए, लेकिन इस दौरान बीच में कहीं महेश जोशी को यह संदेश प्राप्त हुआ कि वे कांग्रेस विधायक दल के चीफ व्हिप के पद से इस्तीफा दें।

जोशी पुन: जयपुर के लिए लौट गए, जहां उन्होंने कुछ विधायकों के साथ मीटिंग कर सलाह-मशविरा किया। चीफ व्हिप ही कांग्रेस विधायक दल सदस्यों की मीटिंग आयोजित करता है और इसमें कुछ दिन पूर्व मिली नाकामयाबी के बाद नेतृत्व मीटिंग आयोजित करने के मामले में महेश जोशी पर विश्वास नहीं करना चाहता।

किसी भी सूरत में, महेश जोशी के खिलाफ विधायकों को गुमराह करने और सोनिया गांधी के आदेश को लागू करने से इंकार करने को लेकर अनुशासनात्मक कार्यवाही की सिफारिश की गई है।

सूत्र कहते हैं कि प्रियंका गांधी ने भी इन खबरों की प्रतिक्रिया में गहलोत की खिंचाई की कि उनके (गहलोत) आदमी कह रहे थे कि सचिन पायलट, प्रियंका का कैंडिडेट है। प्रियंका ने यह कहते हुए उनकी भर्त्सना की कि निर्णय हाई कमान, यानि की सोनिया गांधी द्वारा लिए जाते हैं। अपना नाम बीच में घसीटने पर उन्होंने गहलोत को आड़े हाथ लिया।

उम्मीद है कि सचिन पायलट की संभवत: देर रात्रि सोनिया गांधी से मुलाकात होगी जिसमें जयपुर के घटनाक्रमों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी।

अविश्वास तो पूरा है। एक सीनियर नेता ने कहा कि अशोक गहलोत को पूर्ण बगावत की कीमत चुकानी होगी।

सी.एल.पी. की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीटिंग के लिए सहमति प्रदान की है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि यह फिर सोनिया पर निर्भर होगा कि गहलोत को अपने पद पर बने रहने दिया जाए या नहीं अथवा उनके द्वारा मनोनीत किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया जाए।

भाजपा और बी.जे.डी. चुनाव की जॉइन्ट रणनीति बनायेंगे

भुवनेश्वर, 29 सितंबर (वार्ता)। भाजपा ने देश में आम चुनाव 2024 से पहले ओडिशा में पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए गुरुवार को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा यहां पहुंचे। नड्डा यहां दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। वर्ष 2020 में पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद नड्डा की यह राज्य की पहली यात्रा है। नड्डा के यहां बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्हें पार्टी की राज्य ईकाई के मुख्यालय ले जाया गया जहां भाजपा युवा मोर्चा ने वृहद बाइक रैली का आयोजन किया। इसके बाद वह यहां जनता मैदान पर बूथ लेवल के पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करेंगे और बाद में 2024 के चुनाव को लेकर रणनीति के संबंध में सांसदों, विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बात करेंगे।

आज शाम को पार्टी अध्यक्ष पुरी के लिए रवाना होंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदिग्ध नहीं मानी गई थी।

लेकिन यात्रा की असली परीक्षा आज (शुक्रवार) को शुरू होनी है, जब राहुल गांधी को, कार्यक्रमानुसार, "शत्रु के क्षेत्र" में प्रवेश करना है। लेकिन कर्नाटक में भी, छोटे-बड़े ऐसे सैकड़ों संगठनों का समर्थन उन्हें मिला है, जो समाजवादी वैदिके के झंडे तले आ गये हैं जिसका नेतृत्व बेंगलुरू की यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज़ के सेवानिवृत प्रोफेसर प्रकाश कम्मार्दी करने वाले हैं।

कर्नाटक सरकार से जो अपेक्षा की जा सकती थी, उसका नमूना वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी.के.शिवकुमार की जाँच के रूप में देखा जा सकता है, जबकि कांग्रेस के 'पे सीएम' जैसे सृजनात्मक तथा आकर्षक अभियान में बताये गये भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जन-अदालत की संवीक्षा हो चुकी थी। ज्ञातव्य है कि शिव कुमार पार्टी के मुख्य संकटमोचक है तथा पार्टी के सामने जब-जब भी विरोधियों की और से विधायकों को छीने जाने का संकट आया हैं, पार्टी ने उन्ही की तरफ देखा है, अपने बचाव के लिये उन्हीं के पास गई हैं।

सी.वी.आई. अधिकारियों ने गुरूवार को उनसे जुड़े हुये कई ठिकाने तथा दस्तावेज खँगाले। ये सम्पत्तियाँ शिवकुमार की बताई जाती हैं।

स्वतन्त्र पर्यवेक्षकों का कहना है कि अब, भारत जोड़ो यात्रा के कर्नाटक में प्रवेश से ठीक पहले, कर्नाटक के इस वरिष्ठ कांग्रेस नेता के खिलाफ की जा रही यह कार्यवाही, एक हताशा ही तो है।

शिव कुमार की सम्पत्तियों की जाँच के समाचार की प्रतिक्रिया में, राजनैतिक विश्लेषक सुमन्त सी.रमन ने एक ट्वीट में कहा, "भारत जोड़ो यात्रा को कर्नाटक में कल प्रवेश करना है। यह सब कुछ भविष्यवाणी के अनुरूप, अर्थात अपेक्षित ही हो रहा है।"

विश्लेषकों ने अब यह जानने की इच्छा जाहिर करना शुरू कर दिया है कि क्या सी.बी.आई., ई.डी. तथा आई.टी. जैसी केन्द्रीय जाँच एजेंसियों की कार्यवाहियों का वांछित प्रभाव एवं परिणाम प्राप्त हो रहा है। एक विश्लेषक ने कहा कि सड़क पर चलाता हुआ एक आम आदमी भी अब इन जाँचों को संदेह से देखने लगा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की इन एजेंसियों की कार्यवाहियाँ अब "अपेक्षाकृत कम तथा मामूली परिणाम ही लाती" दिखाई दे रही है क्योंकि ये सब राजनीति-प्रेरित मानी जा रही हैं।

सोशल मीडिया लोगों की इस बदलती हुई सोच को प्रदर्शित करता दिखाई दे रहा है, जैसा कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लोगों की टिप्पणियों से जाहिर हो रहा है। लोग यह जानना चाह रहे हैं कि इन जाँच एजेंसियों के निशाने पर केवल विपक्षी दलों के लोग ही क्यों आ रहे हैं।

कांग्रेस ने कर्नाटक की जनता को केन्द्रीय एजेंसियों के इस "विरोधी रूख" के लिये पहले ही तैयार कर दिया है तथा उन्हें समझा दिया है कि इन जाँचों का उद्देश्य कांग्रेस की छवि को खराब करना है। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के विधान सभा चुनावों में अब एक साल से भी कम समय रह गया हैं।

कांग्रेस के नेता इस कार्यवाही के पीछे छिपे भाजपा की कुंठा तथा डर को समझ चुके हैं क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा को आम जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है तथा इसलिये भाजपा इसे बदनाम करने के लिये कटिबद्ध हैं।

एक राजनैतिक विश्लेषक ने कहा, "लेकिन यह सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि राहुल गांधी राजस्थान के पार्टी संकट जो शुद्ध रूप से उन्हीं के करे-धरे का नतीजा है, से कैसे निबटते हैं।" उहोंने आगे कहा कि "अब इसके आगे, यह लड़ाई और दिलचस्प हो जायेगी क्योंकि यात्रा के आगे के अधिकांश रास्ते में यह कांग्रेस बनाम भाजपा के रूप में सीधी लड़ाई का रूप ले लेगी, क्योंकि इसके बाद, राहुल गांधी प्रमुख भाजपा-शासित राज्यों-महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश छोटे-छोटे हिस्सों से गुजरेंगे।"

विधायक दल की समानान्तर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था कि आलाकमान की ओर से प्रभारी महासचिव को स्पष्ट संकेत मिल चुका है कि अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके बाद ही माकन की रिपोर्ट पर तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी होते ही यह स्पष्ट हो गया था, कि इस झमेले में भले ही अशोक गहलोत की सीधी भूमिका ना रही हो, लेकिन उनके नजदीकी नेताओं की ओर से समानांतर बैठक बुलाना कहीं ना कहीं उनकी सहमति के बिना संभव नहीं हो सकता था। इसके बावजूद शांति धारीवाल और धर्मेंद्र राठौड़ सहित अन्य नेता अजय माकन को ही गलत ठहराने में जुट गए और सार्वजनिक बयानबाजी करने लगे। यह बात भी मुख्यमंत्री गहलोत खेमे के खिलाफ गई। ऐसे में जहां बीच का रास्ता निकल सकता था, वहां प्रभारी की रिपोर्ट के आधार पर आलाकमान की ओर से स्पष्ट संकेत दे दिया गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यदि दिल्ली आएं तो आलाकमान का आदेश मानने की स्थिति में ही आएं।

गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जब सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे, उससे पहले ही मुकुल वासनिक के जरिए उन्हें फिर संदेश पहुंचा दिया गया था कि पार्टी आलाकमान उनकी सफाई सुनने के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। यही कारण है कि बाहर आकर खुद अशोक गहलोत ने कहा कि मैंने कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांग ली है।

अशोक गहलोत का माफी मांगना और खुद बाहर आकर मीडिया से कहना, राजनीतिक रूप से बहुत बड़ी घटना है, क्योंकि जो गहलोत 3 दिन पहले तक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आलाकमान की पहली पसंद बने हुए थे, उनके लिए 25 सितंबर की रात की घटना ने सारे घटनाक्रम को बदल कर रख दिया।

दूसरी ओर प्रभारी महासचिव अजय माकन की भूमिका इस पूरे प्रकरण में आलाकमान के प्रति बेहद सकारात्मक रही और उन्होंने राजस्थान के घटनाक्रम को लेकर पल-पल की जानकारी आलाकमान को लगातार दी। इतना ही नहीं इस घटनाक्रम से पहले भी सरकार को लेकर विधायकों और अन्य नेताओं में जो नाराजगी थी, राजनीतिक नियुक्तियों के दौरान जो घटनाक्रम हुए और उनसे कांग्रेसजन नाराज थे, इस बारे में भी अजय माकन पहले ही कांग्रेस आलाकमान को बता चुके थे। ऐसे में यह घटनाक्रम होते ही अजय माकन की ओर से आलाकमान को पहले बताई गई तमाम घटनाएं सच साबित हुई। उसी आधार पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ से ना सिर्फ बाहर हो गए, बल्कि आलाकमान का अब तक उन पर जो भरोसा था वह भी समाप्त हो गया।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब एक-दो दिन में ही राजस्थान में विधायक दल की बैठक फिर होगी और उसमें एक लाइन का प्रस्ताव पारित करके विधायक दल का नेता चुनने के लिए आलाकमान को सर्व सम्मति से कहा जाएगा। इसके बाद में राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए सोनिया गांधी फैसला करेंगी। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी यही कहा है कि एक-दो दिन में राजस्थान का मसला सुलझा लिया जाएगा और विधायक दल की बैठक के बाद में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी नए नेता के नाम का ऐलान करेंगी।

*Terms and conditions apply. This offer is available on select models. Please contact nearest TATA Motors Passenger Vehicles dealership for more details. Images and illustrations are indicative and for information purpose only. Festive discount mentioned is at the discretion of Tata Motors Limited. All features/specifications are not available in all variants and may vary for different variants. Specifications/features are subject to change without prior information. Please consult an authorised Tata Motors dealer for latest information on features/specifications before deciding to place an order. Colours may vary due to printing limitations. Local taxes and Octroi extra. Terms and conditions apply. Avail of Tata Motors Finance and get funding benefits on Extended Warranty. All offers are at sole discretion of Tata Motors and can be changed by Tata Motors without any prior notice. Offer available till stocks last. Express finance scheme from Tata Motors Finance/Low DP scheme from select financers. Finance available at sole discretion of financier.

AKAR FOUR WHEELS : VAISHALI NAGAR : 7506023152, DAUSA : 9167048664. MAHUA : 9167475537, BANDIKUI : 9167474025, LALSOT : 8291534324. AUTOPLEX AV : SITABARI, TONK ROAD : 7506023155, BASSI : 7045205648, DUDU : 7045206015, MALPURA : 7045217455. TECHWHEELS : JAGATPURA : 7506023175, SHAHPURA : 9619011350, TONK : 7045205017, PAOTA : 7045195019, NIWAI : 8291535732, SHREE SHYAM MOTORS : SIKAR ROAD : 7506023263, CHOMU: 7045211485, KOTPUTLI : 9167051178. KAMAL & COMPANY : TONK ROAD : 7506023240. ROSHAN MOTORS : RAJA PARK : 9619087477, AJMER ROAD : 7506023244, BAGRU : 9167045564, CHAKSU : 7039118998. KAMAL PASSENGER VEHICLES (P) LTD. SAWIMADHOPUR : 7045190667 GANGAPUR : 9619305352, YASH MOTORS : DEOLI : 7045207876, CHAMBAL MOTORS : SAWAI MADHOPUR : 7506023291

S JEE

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908